सांध्य दैनिक

4PM

सांप के फन, मक्खी के मुख और बिच्छु के डंक में जहर होता है, पर दुष्ट व्यक्ति तो इससे भरा होता है।

-चाणक्य

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 241 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार 8 अक्टूबर, 2025

मंधाना का वनडे रैंकिंग में... 7 | मिर्धा परिवार की कांग्रेस में वापसी... 3 | यूपी में भाजपा सरकार में बहन... 2

टाटा समूह में भ्रष्टाचार की लहर!

रतन टाटा के साम्राज्य में करोड़ों के खेल ने मचाया हड़कंप

- » नोएल ने मिस्त्री की वापसी पर खींच दी लकीर, कहा नामंजूर
- » टाटा संस की सहायक कंपनियों के शेयरों में हल्की गिरावट दर्ज की गई है
- » 10 अक्टूबर को तय हो जाएगा किसकी है टाटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के सबसे सम्मानित औद्योगिक घराने टाटा समूह से तूफानी खबरें बाहर आ रही हैं। और इस बार तूफान का केंद्र है नोएल टाटा जिन्होंने मेहली मिस्त्री की बोर्ड में नियुक्ति का कड़ा विरोध जताया है। बाहर से सब कुछ सामान्य सा दिखता टाटा समूह के बोर्डरूम में असहमति के स्वर तेज हो रहे हैं।

यह सिर्फ बोर्डरूम की असहमति नहीं है बल्कि टाटा साम्राज्य की आत्मा में उठता वैचारिक कंपन है जहां भरोसे, वंश और पारदर्शिता के बीच अब नया द्वंद्व जन्म ले चुका है। इस लड़ाई की स्क्रिप्ट इससे आगे की लड़ाई के लिए लिखी जा रही है। क्योंकि नोएल टाटा ने एक डिप्टी एमडी का नया पद सृजित किया है और इस पद को आगे की पोजिशनिंग सेट करने के तौर पर देखा जा रहा है। बोर्डरूम में जिन लोगों को यह बात नागवार गुजरी उन्ही लोगों में से कुछ मिस्त्री आफर लेकर सामने आये हैं।

पुरानी राख से उठती नई चिंगारी

वर्ष 2016 में साइरस मिस्त्री की बर्खास्तगी के बाद से टाटा समूह ने अपने अंदरूनी तंत्र को स्थिरता की मिसाल बताया था। लेकिन अब यह मामला बता रहा है कि स्थिरता सतही थी विश्वास नहीं। नोएल टाटा की प्रतिक्रिया केवल एक नियुक्ति पर नहीं है बल्कि उस पुराने घाव की प्रतिध्वनि है जिसने कभी समूह की गरिमा को अदालतों तक घसीटा था। टाटा बनाम मिस्त्री वह अध्याय जो भारतीय कॉरपोरेट के इतिहास में सबसे विवादास्पद बना रहा अब उसी कहानी का नया चैप्टर खुल रहा है।

2016 में टाटा बनाम मिस्त्री संघर्ष की सबसे बड़ी आग देखी थी।

रतन टाटा की विरासत और नैतिक द्वंद्व

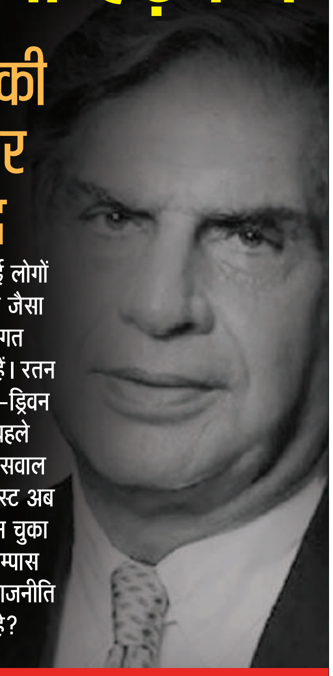

नोएल टाटा का यह कदम कई लोगों के लिए टाटा परंपरा की रक्षा जैसा दिखता है तो कई इसे वंशगत नियंत्रण का विस्तार मान रहे हैं। रतन टाटा ने हमेशा समूह को ट्रस्ट-ड्रिवन बताया था जहां मुनाफे से पहले सिद्धांत खड़े हों। लेकिन अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या यही ट्रस्ट अब सत्ता संघर्ष की प्रयोगशाला बन चुका है? क्या समूह का नैतिक कम्पास अभी भी उत्तर दिशा में है या राजनीति के चक्रव्यूह में खो चुका है?

1000 करोड़ निवेश या बहाना?

इस मतभेद की जड़ सिर्फ नियुक्ति नहीं है बल्कि टाटा इंटरनेशनल में 1000 करोड़ रुपये का निवेश भी है। यह कंपनी लंबे समय से घाटे में चल रही थी और नोएल टाटा जो इसके चेयरमैन हैं ने बोर्ड से आग्रह किया था कि समूह उसकी वित्तीय सेहत सुधारने के लिए इक्विटी निवेश करे। नोएल के इस आग्रह के बाद ट्रस्टियों में से कुछ ने इसे हितों का टकराव करार दिया था। ट्रस्टियों का कहना कहना था कि नोएल टाटा स्वयं लाभ की स्थिति में हैं। उसके बाद भी बोर्ड ने यह निवेश मंजूर कर दिया। अब वही निर्णय नैतिक असंतुलन बनकर समूह की आत्मा को कुरेद रहा है।

बाजार की नजर- प्रतिष्ठा की कीमत

स्टॉक मार्केट में टाटा ग्रुप की साख भारतीय पूंजी बाजार की नैतिक नींव रही है। इसलिए जब भी अंदरूनी खटपट की आहट आती है निवेशक घबरा जाते हैं। विश्लेषक कह रहे हैं कि टाटा सिर्फ ब्रांड नहीं है बल्कि भरोसे का दूसरा नाम है। और भरोसे में दरार किसी भी ग्राफ से बड़ी होती है। पिछले दो दिनों में टाटा संस की सहायक कंपनियों में हल्की गिरावट भी दर्ज की गई है भले इसका कारण अफवाह बताया जा रहा हो।

आगे की लड़ाई

नोएल टाटा ने टाटा संस में डिप्टी एमडी का पद सृजित करने का सुझाव दिया था। तर्क यह कि समूह के जटिल संचालन के लिए दोहरी नेतृत्व संरचना जरूरी है। लेकिन अंदरखाने इस प्रस्ताव को उत्तराधिकार की सीढ़ी के रूप में देखा गया। कई ट्रस्टी इसे रतन टाटा के बाद की पोजिशनिंग गेम का हिस्सा मान रहे हैं। यानी बोर्ड के भीतर नेतृत्व की अगली पंक्ति के लिए मौन संघर्ष अब धीरे-धीरे मुखर होता जा रहा है। 10 अक्टूबर को टाटा संस की बोर्ड बैठक का आयोजन होना है। एजेंडे में लिखा गया है कि 1000 करोड़ रुपये से जुड़ी परोपकारी गतिविधियों पर निर्णय। लेकिन जानकारों का कहना है कि असली चर्चा परोपकार नहीं पावर शेयरिंग पर होने वाली है।

मिस्त्री परिवार की वापसी की कोशिश

सूत्रों के मुताबिक टाटा ट्रस्ट के कुछ ट्रस्टी मेहली मिस्त्री जोकि दिवंगत साइरस मिस्त्री के रिश्तेदार हैं को टाटा संस बोर्ड में लाने के पक्ष में मुहिम चला रहे हैं। जैसे ही बोर्डरूम की बैठक में यह प्रस्ताव सामने आया बैठक में खलबली मच गई। नोएल टाटा जो स्वयं चेयरमैन हैं और रतन टाटा के सौतेले भाई भी है ने इस प्रस्ताव पर स्पष्ट शब्दों में आपत्ति दर्ज की। उनका तर्क था कि बोर्ड में किसी भी नियुक्ति का आधार वंश या पारिवारिक समीकरण नहीं बल्कि पेशेवर योग्यता और पारदर्शी प्रक्रिया होनी चाहिए। पर यह कहना जितना सरल था उसका राजनीतिक अर्थ उतना ही गहरा क्योंकि मिस्त्री परिवार वही है जिसने 2016 में टाटा बनाम मिस्त्री संघर्ष की सबसे बड़ी आग देखी थी।

यूपी में भाजपा सरकार में बहन बेटियां सुरक्षित नहीं : अखिलेश

बोले- प्रदेश में महिलाओं के साथ बढ़ रहे हैं अपराध, भेदभाव की राजनीति करती है बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा पर करारा प्रहार किया है। सपा प्रमुख ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के साथ अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। प्रदेश में महिला अपराध और अपहरण के मामले देश में सबसे ज्यादा हो रहे हैं। बहन बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। भाजपा सरकार के पास झूठ और झूठे आंकड़ों के सिवा कुछ नहीं है। पूरा प्रदेश भ्रष्टाचार की गिरफ्त में है। हर विभाग और हर कार्य में भ्रष्टाचार है।

भाजपा सरकार ने प्रदेश की स्वास्थ्य, शिक्षा, कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। सपा अध्यक्ष ने अपने बयान में कहा कि भाजपा भेदभाव की राजनीति करती है। महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। अस्पतालों में इलाज नहीं मिल पा रहा है। किसानों को खाद, बीज नहीं मिल रहा। जंगली जानवरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। अपराधी खुलेआम घटनाएं कर रहे हैं। प्रदेश में तमाम अवैध कारोबार हो रहे हैं।

अपराधी तत्वों को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है

जमीनों पर कब्जा, गरीबों और दलितों के प्रति अन्याय, पीडीए पर अत्याचार बढ़ता जा रहा है। अपराधी तत्वों को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। जनता अब 2027 के विधानसभा चुनाव का इंतजार कर रही है। भाजपा सत्ता से हटेगी और सपा सरकार आएगी तभी स्थिति में सुधार होगा। जनता जानती है कि सपा सरकार में ही प्रदेश का विकास संभव है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से निजात मिलेगी। बहन-बेटियों को सुरक्षा और सम्मान मिलेगा। हर वर्ग को न्याय मिलेगा। नौजवानों को नौकरी और रोजगार मिलेगा।

सपा ने मनाई वाल्मीकि जयंती

सपा मुख्यालय सहित सभी जिलों में मंगलवार को महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई। प्रदेश कार्यालय में महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से माल्यार्पण कर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने नमन किया। वहीं सांसद आरके चौधरी ने परिवर्तन चौक स्थित वाल्मीकि प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर आयोजक जुगल किशोर वाल्मीकि के साथ डॉ. राजपाल कश्यप, फाखिर सिद्दीकी, जयसिंह जयंत, मो.एबाद, विजय यादव, प्रदीप शर्मा ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

चोट गंभीर नहीं, निगरानी हो रही है : ममता बनर्जी

» घायल भाजपा सांसद से मिलीं बंगाल की सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा सांसद खगेन मुर्मु से मुलाकात की। कथित तौर पर मुर्मू पर कुछ स्थानीय लोगों ने हमला किया, जब वह 6 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी के दुआर्स क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर राहत और बचाव कार्यों का जायजा लेने गए थे।

सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि कोई गंभीर बात नहीं है। मैंने रिपोर्ट देखी है। उन्हें निगरानी में रखा गया है क्योंकि उन्हें उच्च मधुमेह है। उनके कान के पीछे चोट है। पश्चिम बंगाल में भाजपा नेताओं पर हुए हमले को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए, विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने उनसे इस्तीफ़ा माँगा और कहा कि वह तानाशाही से कम नहीं हैं। अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री बनर्जी का गुंडागर्दी को छुपाने का प्रयास जितना अनुमानित है, उतना ही दयनीय भी है। अधिकारी ने एक्स पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जवाब देते हुए लिखा, आप तानाशाही के अलावा कुछ नहीं हैं। अगर आपमें थोड़ी भी शर्म बची है तो इस्तीफ़ा दे दीजिए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी को छुपाने का आपका प्रयास जितना दयनीय है, उतना ही अनुमानित भी है। भाजपा नेता ने पश्चिम बंगाल में पार्टी नेताओं पर हमले को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की हालिया टिप्पणी पर भी सहमति जताई और कहा कि संकट के ऐसे समय में टीएमसी के नीच गुंडों से ऐसी हिंसा की उम्मीद नहीं थी।

भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह को मिली वाई कैटेगरी सुरक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भोजपुरी सुपरस्टार और लोकप्रिय हस्ती पवन सिंह को गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। सरकारी सूत्रों ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। यह कदम इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) द्वारा तैयार की गई एक ख़तरा रिपोर्ट के बाद उठाया गया है, जिसमें अभिनेता के लिए, विशेष रूप से बिहार में, संभावित खतरों पर प्रकाश डाला गया है।

गृह मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था सीआरपीएफ कमांडो संभालेंगे, जो सिंह को चौबीसों घंटे सुरक्षा प्रदान करेंगे। वाई श्रेणी की सुरक्षा में कुल आठ सुरक्षाकर्मी शामिल हैं, जिनमें उनके आवास पर तैनात पाँच सशस्त्र सुरक्षा गार्ड और बारी-बारी से काम करने वाले तीन निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) शामिल हैं। सिंह की सुरक्षा बढ़ाने का फैसला सार्वजनिक और राजनीतिक हलकों में उनकी बढ़ती लोकप्रियता के बीच लिया गया है। भोजपुरी

गृह मंत्रालय का फैसला

अभिनेता को हाल ही में राजनीतिक गलियारों में देखा गया है, जिसमें वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ बैठकें भी शामिल हैं, जिससे उनके संभावित राजनीतिक प्रवेश या सहयोग की अटकलें तेज हो गई हैं। भोजपुरी फिल्म उद्योग में अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्मों और संगीत के लिए मशहूर सिंह बिहार और उत्तर प्रदेश में, खासकर ग्रामीण और अर्ध-शहरी युवाओं के बीच, काफी लोकप्रिय हैं। अधिकारियों ने आईबी रिपोर्ट में चिन्हित खतरों की विशिष्ट प्रकृति का खुलासा नहीं किया है, लेकिन पुष्टि की है कि सुरक्षा तैनाती पहले ही लागू कर दी गई है।

तमिलनाडु अहंकार, कट्टरता और षड्यंत्रों के खिलाफ लड़ रहा : एमके स्टालिन

» सीएम बोले-हिंदी थोपने और आरएसएस की मनुस्मृति सोच के खिलाफ है ये लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्यपाल आरएन रवि पर पलटवार करते हुए उन कई लड़ाइयों का जिक्र किया जो राज्य लड़ रहा है, संघीय अधिकारों की रक्षा से लेकर सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता की रक्षा तक।

राज्यपाल रवि ने पहले टिप्पणी की थी कि उन्होंने राज्य भर की दीवारों पर तमिलनाडु पोराडुम (तमिलनाडु लड़ेगा) जैसे नारे लिखे देखे थे और सवाल किया था। किससे लड़ें? कोई भी तमिलनाडु के खिलाफ नहीं लड़ रहा है। राज्यपाल की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कि तमिलनाडु किसके खिलाफ लड़ रहा है? स्टालिन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राज्य अहंकार, कट्टरता और षड्यंत्रों के

खिलाफ लड़ता है जो शिक्षा, समानता और लोकतंत्र को कमजोर करते हैं। स्टालिन ने एक विस्तृत बयान में कहा कि यह उस अहंकार के खिलाफ है जो कहता है कि शिक्षा के लिए धन तभी दिया जाएगा जब हिंदी को स्वीकार किया जाएगा। उन्होंने केंद्र पर वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने वाले संस्थानों में हिंदी थोपने और अंधविश्वास फैलाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि तमिलनाडु जनता द्वारा चुनी गई सरकारों को दबाने वाली लोकतंत्र-विरोधी ताकतों और संविधान की गरिमा को ठेस पहुँचाने वालों से लड़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य ने राज्यपाल के अधिकारों के अतिक्रमण के खिलाफ अपने अधिकारों की रक्षा के लिए बार-बार अदालतों का दरवाजा खटखटाया है।

स्टालिन ने आगे आरोप लगाया कि धार्मिक कट्टरता से भरे चालाक समूह भारत की प्रगति में बाधा डाल रहे हैं और उन्होंने तमिलनाडु के उद्योगों और नौकरियों को दूसरे राज्यों में स्थानांतरित करने के प्रयासों की चेतावनी दी। उन्होंने आरएसएस समर्थित दबंग कट्टरपंथियों पर भारतीय लोगों की एकता को तोड़ने और मनुस्मृति को फिर से स्थापित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने एनईईटी, परिसीमन और तिरुवल्लुवर तथा कीलाडी उत्खनन जैसे सांस्कृतिक प्रतीकों के कथित भगवाकरण जैसे मुद्दों का भी उदाहरण दिया, जिनका तमिलनाडु लगातार विरोध कर रहा है।

तेजप्रताप यादव के कैंडिडेट अरुण कुमार की हुई पिटाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। तेजप्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल के उम्मीदवार अरुण कुमार यादव के साथ मारपीट की गई है। अरवल विधानसभा (214) से पार्टी के प्रत्याशी अरुण कुमार यादव ने आरोप लगाते हुए कहा है कि उनको बंधक बनाकर न सिर्फ उनके साथ मारपीट की गई, बल्कि और लूटपाट का शिकार होना पड़ा।

पुलिस को दिए गए आवेदन में पीड़ित अरुण कुमार यादव ने बताया कि वह टिकट के सिलसिले में एमएलए फ्लैट में ठहरे हुए थे। देर रात कुछ हथियारबंद लोग उनके फ्लैट का दरवाजा तोड़कर जबरन अंदर घुस गए। उन अपराधियों के पास हथियार भी थे। उन्होंने अरुण कुमार यादव और उनके साथ मौजूद अन्य लोगों को पहले बंधक बनाया, फिर उनके साथ मारपीट की।

नौकरियों में देरी और भर्ती प्रक्रियाओं पर गुस्सा जायज : ताशी ग्यालसन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लेह। लेह स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद के अध्यक्ष ताशी ग्यालसन ने 24 सितंबर की हिंसा को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इस घटना ने लेह को झकझोर कर रख दिया। इसकी न्यायिक जांच होनी चाहिए। किसी ने भी ऐसी घटना की कल्पना नहीं की थी।

शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का अचानक हिंसा में बदल जाना चौंकाने वाला और बेहद दर्दनाक था। चार निर्दोष लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए, इसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।

ताशी ने कहा कि घटना की मजिस्ट्रेट जांच चल रही है लेकिन पारदर्शिता और न्याय सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक जांच होनी चाहिए। इस मांग पर लेह अपेक्स बॉडी, कारगिल लोकतांत्रिक गठबंधन और भाजपा बीच आम सहमति बन रही है। उन्होंने कहा कि नौकरियों में देरी और भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर उनका गुस्सा स्वाभाविक है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार और स्थानीय प्रशासन इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए काम कर रहे हैं। इसी क्रम में पिछले दो वर्षों में 3,000 से अधिक सरकारी नौकरियां सृजित की गई हैं। डोमिसाइल संबंधी विवादों का समाधान कर दिया गया है और भर्ती में आयु सीमा में छूट दी गई है।

मिर्धा परिवार की कांग्रेस में वापसी से बवाल

डोटासरा-बेनीवाल गठबंधन पर लगा प्रश्नचिन्ह

- जाटों पर बड़ा प्रभाव है मिर्धा परिवार का
- कांग्रेस को मिलेगी मजबूती
- भाजपा को करारा झटका
- 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले छोड़ी थी कांग्रेस
- तेजपाल मिर्धा ने हाल ही में अपने फेसबुक पेज पर साझा की थी तस्वीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

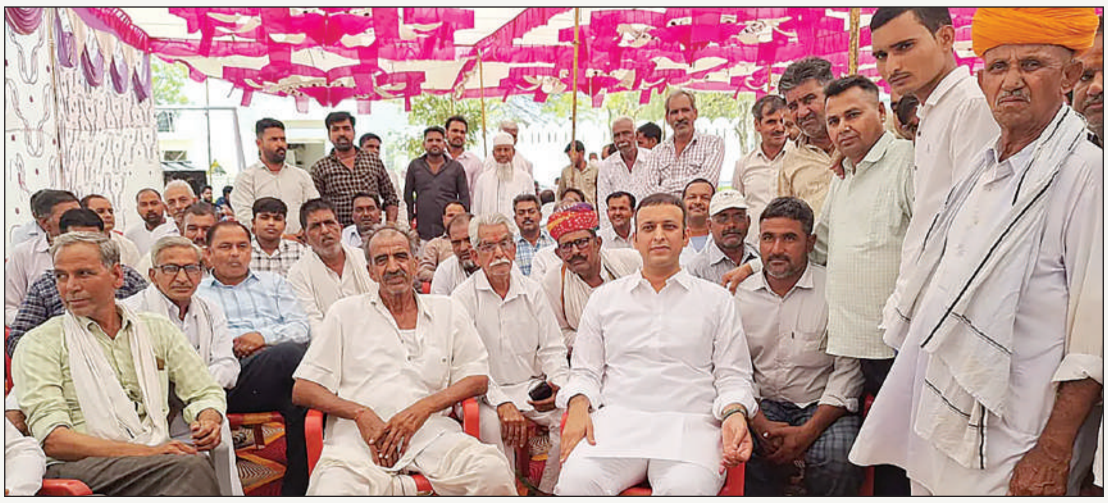

नागौर। राजस्थान की राजनीति में नागौर का मिर्धा परिवार हमेशा से एक अहम कड़ी रहा है। जाट समाज का यह प्रभावशाली खानदान, जो कभी कांग्रेस का मजबूत गढ़ माना जाता था, अब फिर से पार्टी की में लौट रहा है। हाल ही में कुचेरा नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष तेजपाल मिर्धा की कांग्रेस में घर वापसी के बाद सियासी हलकों में हलचल मच गई है। अब चर्चा यह है कि क्या यह वापसी महज एक रणनीतिक कदम है या फिर हनुमान बेनीवाल के साथ पुराने गठबंधन की कड़वाहट मिटाने की कोशिश? बड़ा सवाल यह भी है कि क्या तेजपाल मिर्धा ने डोटासरा के इशारे पर कांग्रेस से इस्तीफा दिया था?

वहीं तेजपाल मिर्धा ने हाल ही में अपने फेसबुक पेज पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से मुलाकात की तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा आज डोटासरा जी से मुलाकात की। आगामी पंचायत व निकाय चुनाव और नागौर जिला कांग्रेस संगठन से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। डोटासरा जी का मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायी रहा है। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी और इसके साथ ही पुरानी सियासी यादें ताजा हो गई। गौरतलब है कि अप्रैल 2024 में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले नागौर की सियासत में भूचाल आया था। इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस ने नागौर सीट लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के नेता हनुमान बेनीवाल को दे दी थी। इससे नाराज होकर मिर्धा परिवार के दिग्गज नेताओं ने बगावत कर दी और तेजपाल मिर्धा समेत कई सदस्यों ने कांग्रेस से सामूहिक इस्तीफा दे दिया। कुचेरा नगर पालिका के 21 पार्षदों, 8 पूर्व पार्षदों और 7 पंचायत समिति सदस्यों ने भी तेजपाल के साथ त्यागपत्र सौंपा। इसके बाद कांग्रेस ने जवाबी कार्रवाई में तेजपाल समेत तीन नेताओं को 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया था। यह बगावत हनुमान बेनीवाल के खिलाफ थी, जिन्हें मिर्धा परिवार अपना पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी मानता है। 2023 के विधानसभा चुनाव में तेजपाल ने बेनीवाल के खिलाफ खींवसर सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे। गठबंधन के फैसले ने परिवार को यह महसूस कराया कि पार्टी ने उनकी सीट छीन ली है।

जाट वोट बैंक मिर्धा परिवार के प्रभाव में

नागौर का जाट वोट बैंक मिर्धा परिवार के प्रभाव में रहा है। नाथूराम मिर्धा से लेकर ज्योति मिर्धा तक यह परिवार कांग्रेस की पहचान रहा है लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में ज्योति मिर्धा के बीजेपी में शामिल होने से परिवार दो हिस्सों में बंट गया। एक ओर रिछपाल मिर्धा जैसे नेता बीजेपी के साथ चले गए, वहीं तेजपाल ने बगावत का रास्ता चुना। चुनाव के दौरान तो हनुमान बेनीवाल और ज्योति मिर्धा समर्थकों के बीच झड़प में तेजपाल मिर्धा घायल भी हुए थे। यह घटना परिवार की नाराजगी और दरार को उजागर करती है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा खुद भी बेनीवाल के साथ गठबंधन से सहज नहीं थे। चुनाव के दौरान उन्होंने कई बार बेनीवाल की आक्रामक शैली पर अप्रत्यक्ष टिप्पणियां कीं। खींवसर उपचुनाव में तो कांग्रेस ने गठबंधन तोड़ते हुए अपना उम्मीदवार उतार दिया, जिससे यह संकेत मिला कि पार्टी अंदरखाने में बेनीवाल से दूरी बना रही है बेनीवाल ने भी इसका जवाब देते हुए कहा था कि कांग्रेस ने गठबंधन तोड़ा है, अब हम अकेले लड़ेंगे।

औपचारिक ऐलान 25 सितंबर 2025 को हुआ

तेजपाल मिर्धा की कांग्रेस में वापसी का औपचारिक ऐलान 25 सितंबर 2025 को हुआ। पीसीसी ने उनका निष्कासन रद्द कर दिया। हालांकि एक इंटरव्यू में तेजपाल ने कहा कि मैं कांग्रेस में हूं, लेकिन खींवसर में डबल इंजन सरकार विकास कर रही है। तेजपाल का यह बयान बीजेपी की तारीफ के रूप में देखा गया, जिससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि वापसी सशर्त हो सकती है। कुछ दिन पहले ही डोटासरा ने तेजपाल के विरोधी गुट के दो नेताओं को भी कांग्रेस में शामिल कराया था, जो परिवार के अंदरूनी मतभेद को दर्शाता है।

हनुमान बेनीवाल इस पूरे घटनाक्रम पर चुप

हनुमान बेनीवाल इस पूरे घटनाक्रम पर चुप हैं। उपचुनाव में उनकी पत्नी कनिका बेनीवाल मैदान में हैं और कांग्रेस पर निशाना साध रही हैं। नागौर की सियासत अब त्रिकोणीय मुकाबले में बदल चुकी है बीजेपी, कांग्रेस और आरएलपी के बीच। मिर्धा परिवार की वापसी से कांग्रेस को तात्कालिक फायदा तो जरूर होगा लेकिन डोटासरा-बेनीवाल समीकरण और परिवार की अंदरूनी राजनीति आगे क्या मोड़ लेगी, यह आने वाला वक्त ही बताएगा।

कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की कोशिश

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह वापसी आगामी पंचायत और निकाय चुनावों को ध्यान में रखकर की गई है। नागौर में जाट वोटों के बंटवारे से कांग्रेस को नुकसान हो रहा था। डोटासरा ने मिर्धा परिवार को वापस लाकर संगठन को मजबूत करने की कोशिश की है। हालांकि कुछ सूत्रों का कहना है कि तेजपाल का पिछला इस्तीफा भी डोटासरा की रणनीति का हिस्सा था ताकि गठबंधन टूटने के बाद परिवार को दोबारा जोड़ा जा सके।

दलितों पर बढ़े अत्याचार, सियासी रार

- रायबरेली में हरिओम वाल्मीकि की हत्या पर गरमाई राजनीति
- सीजेआई पर जूता फेंकने की चारो ओर निंदा
- कांग्रेस समेत विपक्ष ने भाजपा को घेरा
- राहुल गांधी बोले- देश भीड़ की सनक से नहीं चलेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। यूपी के रायबरेली में एक दलित युवक हरिओम वाल्मीकि को चोर समझकर लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उसके बाद सीजेआई पर जूता मारने की कोशिश की गई। ये दोनों ही कृत निंदनीय है। सता में बैठी भाजपा जहां विपक्ष के निशाने पर है।

वहीं इसकी आलोचल पीएम मोदी से लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने की है। इस मामले में राजनीति शुरू हो गई है। मंगलवार को रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि वो पीड़ित परिवार के साथ हैं, उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। दलित युवक की निर्मम हत्या सिर्फ एक इंसान की नहीं बल्कि इंसानियत, संविधान और न्याय की हत्या है।

पिटाई का वीडियो हुआ था वायरल

गौरतलब है कि ऊंचाहार के ईश्वरदासपुर में हरिओम नाम का शख्स 2 अक्टूबर की रात को अपनी ससुराल जा रहा था। मृतक की ससुराल नई बस्ती में थी। तभी रास्ते में डाडेपुर सड़क पर ग्रामीणों ने हरिओम को चोर समझकर रोक लिया और उसकी पिटाई कर दी थी। बर्बरता से हुई पिटाई में युवक की मौत हो गई थी। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। रायबरेली एसपी ने इस मामले में एक्शन लेते हुए ऊंचाहार कोतवाल समेत हलका इंचार्ज और 3 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया। इस घटना को लेकर राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने संयुक्त बयान जारी किया है। मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने कहा कि रायबरेली में दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की निर्मम और क्रूर हत्या की कांग्रेस पार्टी कड़ी से कड़ी निंदा करती है।

जिसकी आवाज कमजोर है वे निशाने पर : राहुल

राहुल गांधी ने कहा कि आज भारत में दलित, आदिवासी, मुसलमान, पिछड़े और गरीब हर उस व्यक्ति को निशाना बनाया जा रहा है, जिसकी आवाज कमजोर है। जिसकी हिस्सेदारी छीनी जा रही है और जिसकी जिंदगी सस्ती समझी जाती है। देश में नफरत, हिंसा और भीड़तंत्र को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। जहां संविधान की जगह बुलडोजर ने ले ली है और इंसाफ की जगह डर ने। मैं हरिओम के परिवार के साथ खड़ा हूं उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। भारत का भविष्य समानता और मानवता पर टिका है और यह देश चलेगा संविधान से, भीड़ की सनक से नहीं।

देश के संविधान के प्रति घोर अपराध : खड़गे

खड़गे ने कहा कि हमारे देश में एक संविधान है, जो हर इंसान को समानता के भाव से पहचानता है। एक कानून है, जो हर नागरिक की सुरक्षा, उसके अधिकार और उसकी अभिव्यक्ति को समान दर्जा देता है। जो रायबरेली में हुआ, वह इस देश के संविधान के प्रति घोर अपराध है। दलित समुदाय के प्रति अपराध है और इस देश व समाज पर कलंक है। उन्होंने कहा कि देश में दलितों, अल्पसंख्यकों और गरीबों पर अपराध की संख्या हद से ज्यादा बढ़ चुकी है। यह हिंसा सबसे अधिक उन्हीं पर होती है जो वंचित हैं, बहुजन हैं, जिनकी न पर्याप्त हिस्सेदारी है, न प्रतिनिधित्व। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि हिंसा किसी भी सभ्य समाज की निशानी नहीं हो सकती इसलिए हरिओम के साथ जो हुआ, वह हमारी सामूहिक नैतिकता पर गहरा प्रश्न है। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर के सपनों का भारत और महात्मा गांधी के वैष्णव जन का भारत सामाजिक न्याय, समानता और संवेदना का भारत है। जिसमें ऐसे अपराधों के लिए कोई स्थान नहीं है। मानवता ही एकमात्र रास्ता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी समाज के वंचित और कमजोर तबकों के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। हम नागरिकों से आह्वान करते हैं कि वे इस अन्याय के विरुद्ध एकजुट हों। यह लड़ाई तब तक जारी रहनी चाहिए, जब तक हर भारतीय के अधिकारों और जीवन की गरिमा को पूर्ण सुरक्षा नहीं मिल जाती।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

पाखंडी लोगों पर कब लगेगी लगाम

"हमारे देश में धर्मभीरु जनता के अंधविश्वासों का फायदा उठाकर बाबागीरी का कारोबार किस तरीके से फल-फूल रहा है, इसका उदाहरण डेरा सच्चा सौदा प्रमुख बाबा राम रहीम प्रकरण में सामने आया। यौन शोषण मामले में सीबीआई अदालत ने जब उन्हें दोषी ठहराया तो पंजाब-हरियाणा के कई हिस्सों में आगजनी-हिंसा हुई।

पिछले कुछ सालों में धर्म के नाम पर मनमानी कुछ ज्यादा ही बढ़ गई है। कोई भी जरा सी बात पर आस्था के नाम पर एक दूसरे के धार्मिक जगहों को तहस-नहस कर दे रहा है। गजब तो तब हो रहा जब लोग एक दूसरे की जान ले रहे हैं। बिडंबना ये है कि न सरकारों पर कोई असर है ना कोई समाज पर। ये रवैया भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरे का संकेत है। उधर इन्हीं सबका लाभ उठाकर तथाकथित धर्मगुरु गलत काम कर रहे हैं। अभी दिल्ली में चैतन्यानंद नाम का एक बाबा पुलिस की गिरफ्त में आया है जो लड़कियों के साथ घृणित कार्य करता था। हमारे देश में धर्मभीरु जनता के अंधविश्वासों का फायदा उठाकर बाबागीरी का कारोबार किस तरीके से फल-फूल रहा है, इसका उदाहरण डेरा सच्चा सौदा प्रमुख बाबा राम रहीम प्रकरण में सामने आया। यौन शोषण मामले में सीबीआई अदालत ने जब उन्हें दोषी ठहराया तो पंजाब-हरियाणा के कई हिस्सों में आगजनी-हिंसा हुई। बाबा समर्थकों ने दो रेलवे स्टेशनों में आग लगा दी और कुछ स्थानों पर हालात नियंत्रित करने के लिए कर्फ्यू लगाना पड़ा।

अतीत में देश में ऐसी स्थितियां कई बार बन चुकी हैं। हरियाणा में ही 2014 में संत रामपाल के समर्थक ऐसा कर चुके हैं। पुलिस से संत रामपाल के समर्थक सीधे टकराए थे और हालात काबू पाना मुश्किल हो गया था। यही नहीं, मथुरा में बाबा रामवृक्ष के बेकाबू समर्थकों को नियंत्रित करने में पुलिसकर्मियों को भी जान गंवानी पड़ी थी। रामवृक्ष यादव बाबा जय गुरुदेव के अनुयायी थे, जिन्होंने एक निजी सेना बना ली थी और उनकी समानांतर सरकार चलाने का प्रयास किया था। अंततः रामवृक्ष पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया। इसी तरह स्वयंभू ईसाई धर्म प्रचारक बजिंदर सिंह के खिलाफ पंजाब पुलिस ने यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया था। साल 2018 में जीरकपुर की एक महिला द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद उन पर एक और यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया था। तब बजिंदर को लंदन जाते समय दिल्ली एयरपोर्ट से पकड़ लिया गया था। साल 2023 में बजिंदर सिंह के ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापेमारी की थी। तमिलनाडु के कोयंबटूर में ईसाई पादरी को दो नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान 32 वर्षीय जॉन जेबराज के रूप में हुई जो कोयंबटूर के किंग जेनरेशन चर्च में पादरी था और केरल के इलाकों में भी धर्मोपदेश देता था। पुलिस ने उसे पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार किया। आसाराम जैसे बाबा आज जेल में हैं। अब समय आ गया है समाज व सरकार इन सबके खिलाफ मिलकर आवाज उठाएं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विकास की कीमत पर मुफ्त की रेवड़ियां

डॉ. जगदीप सिंह

भारत की राजनीति में चुनावी मौसम आते ही मुफ्त सुविधाओं और लोकलुभावन वादों की बौछार शुरू हो जाती है, जिन्हें आलोचक अक्सर 'रेवड़ियां' कहते हैं। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने इसी क्रम में कई योजनाओं की घोषणा की है- जिनमें महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की सहायता, बेरोजगार युवाओं को 10,000 रुपये की एकमुश्त राशि, मुफ्त बिजली, पेंशन में दो गुना वृद्धि और निर्माण श्रमिकों को 5,000 रुपये की सहायता राशि शामिल हैं। इन योजनाओं पर अगले दो वर्षों में 2,800 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने का अनुमान है, जबकि बिहार का वार्षिक राजस्व लगभग 56,000 करोड़ रुपये है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस तरह की लोकलुभावन घोषणाएं राज्य की आर्थिक व्यवस्था पर बोझ बनेंगी, या यह सामाजिक कल्याण की दिशा में एक जरूरी कदम हैं? बिहार के 2025 विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन (आरजेडी-कांग्रेस) के बीच कांटे की टक्कर है।

नीतीश सरकार ने महिलाओं (51 प्रतिशत मतदाता) और युवाओं पर ध्यान केंद्रित किया है। 18 सितंबर को शुरू हुई 10,000 रुपये की सहायता योजना 12 लाख युवाओं तक पहुंचेगी। इसके अलावा, 1.67 करोड़ परिवारों को मुफ्त बिजली और महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण जैसे वादे हैं। दूसरी ओर, आरजेडी ने जातिगत सर्वे के आधार पर और अधिक कल्याणकारी योजनाओं का वादा किया है। उधर, सामाजिक मंचों पर कुछ लोग इन घोषणाओं को 'वोट खरीदने की रणनीति' मानते हैं, जबकि कुछ इसे 'सामाजिक कल्याण' की दिशा में एक कदम मानते हैं। इन योजनाओं का फोकस विशेष रूप से अन्य पिछड़ा वर्ग, दलित और अति पिछड़ा वर्ग जैसे समुदायों पर है, जिससे राज्य की जाति-आधारित राजनीति को और गति मिलने की संभावना है। हालांकि, ये योजनाएं अल्पकालिक रूप से मतदाताओं को आकर्षित करने में कारगर हो सकती हैं, लेकिन दीर्घकालिक दृष्टि से यह आर्थिक निर्भरता को बढ़ावा दे सकती हैं और बुनियादी ढांचे तथा विकास परियोजनाओं को पीछे धकेल सकती हैं।

विपक्षी दल भी अब इसी राह पर चलने लगे हैं, जिससे राज्य की राजनीति में एक तरह का 'रेवड़ी युद्ध' शुरू हो गया है-जहां नीतियों की प्रतिस्पर्धा की जगह वादों की होड़ ने ले ली है। बिहार की आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर है। इस समय प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से 40 प्रतिशत कम है और बेरोजगारी दर 7.2 प्रतिशत के आसपास है। इन योजनाओं से राज्य के खजाने पर शुरुआत

में 2,800 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। यदि योजनाएं स्थायी हुईं, तो कर्ज-जीएसडीपी अनुपात (वर्तमान में 36 प्रतिशत) और बढ़ेगा। उधर, मुफ्त बिजली जैसी योजनाएं बिजली बोर्डों पर दबाव डालेंगी, जो पहले से घाटे में चल रहे हैं। मुफ्त बिजली से पानी और ऊर्जा का दुरुपयोग बढ़ेगा, और नकद सहायता से कार्यबल की भागीदारी कम हो सकती है। कृषि-आधारित बिहार में, जहां 70 प्रतिशत आबादी खेती पर निर्भर है, संसाधनों का असंतुलित आवंटन दीर्घकालिक विकास के लिए गंभीर बाधा बन सकता है। पहले से ही सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी ढांचों पर खर्च सीमित है; 'रेवड़ियों' पर बढ़ता खर्च इन जरूरी क्षेत्रों की उपेक्षा को और बढ़ा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में रेवड़ियों को 'लोकतंत्र के लिए खतरा' बताया था और विशेषज्ञ समिति बनाने का सुझाव दिया था। फिर भी, दल विकास के बजाय अल्पकालिक लाभ पर जोर दे रहे हैं। यह प्रवृत्ति जातिगत और क्षेत्रीय ध्रुवीकरण को बढ़ावा देती है। बिहार में ओबीसी और दलित केंद्रित योजनाएं अन्य राज्यों में भी ऐसी ही मांगें बढ़ाएंगी। इससे राष्ट्रीय राजनीति में 'वोट के लिए मुफ्त' की संस्कृति गहरी होगी। भारतीय अर्थव्यवस्था पर रेवड़ियों का बोझ बढ़ रहा है। भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुसार, राज्यों का सब्सिडी खर्च 2019-22 में 7.8 प्रतिशत से बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गया, जिसमें बिहार और पंजाब अग्रणी हैं। मुफ्त योजनाएं राज्यों के कर्ज को बढ़ा रही हैं, जिसका असर राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था पर पड़ता है। रेवड़ियां संसाधनों को बुनियादी ढांचे और उत्पादक क्षेत्रों से हटाकर कल्याण योजनाओं में डाल रही हैं। आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) ने सुझाव दिया है कि ऐसी योजनाओं को सीमित किया जाए ताकि सड़क, रेल और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़े।

मुफ्त बिजली और नकद सहायता से ऊर्जा का दुरुपयोग और क्रेडिट संस्कृति को नुकसान पहुंचता है, जो भारत की 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को कठिन बना देता है। रेवड़ियों और लक्षित सब्सिडी में अंतर समझना जरूरी है। पीएम किसान और उज्ज्वला जैसी योजनाएं दीर्घकालिक लाभ देती हैं, जबकि रेवड़ियां केवल वोट लुभाती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने नीति आयोग, वित्त आयोग और आरबीआई की समिति बनाने का सुझाव दिया है। इसके अलावा, चुनाव आयोग को वादों की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सशक्त करना होगा। मतदाता जागरूकता भी जरूरी है, ताकि लोग अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता दें।

संजय हजारिका

अपने जुबिन के लिए न्याय चाहता है असम

असम की राजधानी गुवाहाटी से कुछ ही दूरी पर एक गांव में, जो सांस्कृतिक प्रतीक बन गए 21 वर्षीय युवा जुबिन गर्ग का पैतृक ग्राम है, जब उसकी चिता को रोते-सुबकते लोगों के विराट समूह के बीच अग्नि भेंट किया गया तो आसमान 21 राइफल की सलामी फायरिंग से गूंज उठा। इससे पूर्व भूपेन हजारिका को 2021 में ऐसा राजकीय सम्मान मिला था। जुबिन के लिए तीन दिवसीय राजकीय शोक घोषित किया गया। जैसे-जैसे आग की लपटें बढ़ती गईं, लाखों प्रशंसक उनकी 'मायाबिनी' के सामूहिक गीत गाते रहे। इस गीत का सार उनके कई अन्य गीतों की तरह न केवल इस गायक सुपरस्टार के शब्दों का जादू लिए था, बल्कि असमिया और गैर-असमिया की पीढ़ियों के साथ उनके अनोखे जुड़ाव को दर्शाता है। गीत के बोल हैं 'इस जादुई रात के बीचोंबीच, मैं दूर से तुम्हारा चेहरा पहचान सकता हूं। तुम चुपचाप मेरे दिल के किसी कोने में समा गए हो, मेरे मुरझाए मन पर ओस की एक ताजा बूंद की तरह, चमकती धूप के जैसे, वर्ना तो, मैं बरसों तक तूफान के भंवर में रहा, यूं अंधेरे से मेरी दोस्ती बहुत पहले हो चुकी थी।' किशोरावस्था में ही जुबीन अपनी पहली एल्बम के साथ असमिया संगीत जगत पर छा गए। हजारिका जैसे महान कलाकार की लोक एवं शास्त्रीय संगीत के सम्मिश्रण वाली मौलिक बंदिशें सुनने के आदी श्रोताओं के लिए जुबीन की आवाज ताजगी लिए रही। वो नियम का एक अपवाद थे। उन्होंने गायकी के किसी नियम का पालन नहीं किया, अपने बनाए संगीत, पटकथा पर पेशकारी से जीते-जी किंवदंती बन गए। जरा सोचिए, करीब 40 भाषाओं में 35,000 गाने- उनमें एक था फिल्म गैंगस्टर का 'या अली', जिसने उन्हें बॉलीवुड में प्रसिद्धि दिलाई, ऐसी जगह जिसके लिए उन्होंने घर आना छोड़ दिया था। उम्र सिर्फ 52 साल रही। अपने विशिष्ट अंदाज में उन्होंने अपना समर्पित प्रशंसक वर्ग अर्जित कर लिया था। खासकर युवाओं के बीच, जो रूढ़िवाद और पूर्वाग्रहों को धत्ता बताने के जुबिन के तरीके से सम्मोहित थी, उनके जोशीलेपन और आमजन में प्रचलित शब्दों के प्रयोग से भी, राजनीति और राजनेताओं का मखौल बनाने से, बच्चों के साथ मंच पर गाते-गाते उनकी तरह नाचने पर, मदद मांगने वालों के प्रति उदारता से, जानवरों एवं पेड़ों के प्रति प्रेम पर और बड़ा सितारा होने के बावजूद लोगों के लिए उनकी सुलभता से वे मंत्रमुग्ध थे। असम से बाहर के कई मीडिया टिप्पणीकारों और सांस्कृतिक विशेषज्ञों के लिए, न केवल गुवाहाटी में बल्कि असम के गांवों-कस्बों की सड़कों पर उनके गीत गुनगुनाते, रोते या आंसू थामने की कोशिश करते लोगों के विशाल सागर को देखना हैरानीजनक रहा व पूछने लगे उनके अविश्वसनीय आकर्षण की व्याख्या क्या है? अपने लोगों के दिलो-जान में इस कदर कैसे समा गए? इसके अनेक जवाब हैं और शायद कई साल बाद भी हम इसका कोई एक सटीक जवाब न दे पाएं। उनका जादू धर्म, जातीयता, भाषा व क्षेत्र से परे था, जिनका प्रयोग कई राजनेता लोगों को बांटने और घृणा व सांप्रदायिकता भड़काने को करते रहे। जुबीन, उनके गीतों, संगीत और संदेशों के प्रति अपनी प्रतिक्रिया से, असम के लोगों का उनको श्रद्धांजलि देने को इतनी बड़ी तादाद में उमड़ना पुष्टि करता है कि विभाजन और विखंडन के प्रयासों के बावजूद उनके संगीत ने असम को कलह के वक्त भी बांधे रखा, उस पर मरहम का काम किया। उनके बोल युवाओं और मध्यम उम्र के लोगों व वृद्धों के दिलों को छूते, वे सब जो अनिश्चित और असुरक्षित समय से जूझ रहे, अपने भविष्य को लेकर चिंतित, हिंसा-हानि, सशस्त्र आंदोलनों व सत्ता से परेशान हैं, वे सब चीजें जिन्होंने उनकी भूमि और समाज को बर्बाद कर रखा है। जुबिन ने अपने बोलों से उनकी आलोचना करने में कसर नहीं छोड़ी। जब सशस्त्र गुट उल्फा (यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम) ने असम के बिहू उत्सव समारोहों में हिंदी गीतों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की, तो उन्होंने इसकी निंदा की व कहा कि वे ऐसी सांस्कृतिक दबंगई से विचलित नहीं होंगे। वे राजनेताओं, मंत्रियों का मजाक उड़ाते, और एक बार मुख्यमंत्री तक से पूछा, जिन्होंने जुबिन की तरह मंच पर छलांग लगाकर चढ़ते हुए तस्वीरें छपवाईं, 'आप मेरी नकल क्यों कर रहे हैं?' उनके फॉलोअर्स को उनका यह मनमौजी, कटाक्ष युक्त हास्य और बेबाक रंग-ढंग खूब जंचा। इंस्टाग्राम पर 1.28 मिलियन फॉलोअर्स और लोगों के दिलोदिमाग पर किसी राजनेता से कहीं अधिक पकड़ के साथ, उनका रुतबा बहुत बड़ा था। हालांकि राजनीति में नहीं थे तथापि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का विरोध कर अपना दृष्टिकोण जाहिर किया और समाजवाद में अपने विश्वास को व्यक्त करते रहते। कैसे उन्होंने कभी भाजपा का समर्थन किया था क्योंकि तब लोग असम में 'पोरीबोर्तन' चाहते थे। ऐसा नहीं था कि उनमें कमियां नहीं थीं, कुछ कमजोरियां जिन्हें खुद खुलकर स्वीकार किया। मेरे (लेखक के) चचेरे भाई, 'डी'कॉम भुयान, जो जुबीन के साथ काम करते थे और अच्छी तरह जानते थे, उनकी अदम्य इच्छाशक्ति के बारे में लिखते हैं 'वे अथक थे। उनके शरीर पर नील पड़ जाते थे, उनका कार्यक्रमों का दबाव बेहद था, फिर भी तत्परता मानो दिव्य जैसी। जहां अधिकांश लोग थकावट या व्यावहारिकता का हवाला देकर हार मान लेते वहीं जुबीन ऐसा नहीं करते। वे तूफान में जीते थे। ऐसी ही एक नींद-विहीन शूटिंग के बाद, वे मेरी ओर मुड़े, उनकी आंखें चमक रही थीं, और मुझ से कहा-'डी'कॉम, जीवन अभ्यास के लिए नहीं बना। आप बस इससे बार-बार खेलते हैं।

इन चीजों में होती है भरपूर मात्रा में कैल्शियम

बादाम

बादाम केवल दिमाग के लिए ही नहीं, बल्कि हमारी हड्डियों के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। बादाम में कैल्शियम के साथ-साथ मैग्नीशियम भी होता है। यह मैग्नीशियम शरीर को कैल्शियम को बेहतर तरीके से सोखने में मदद करता है, जिससे हमारी हड्डियां और भी मजबूत बनती हैं। क्योंकि बादाम में विटामिन ई, कैल्शियम, फाइबर, राइबोफ्लेविन, नियासिन, प्रोटीन, मैग्नीशियम और पोटैशियम जैसे पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। बादाम एक लो ग्लाइसेमिक फूड माना जाता है, जो डायबिटीज के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद मोनोअनसैचुरेटेड फैट और प्लांट बेस्ड प्रोटीन शरीर के लिए बहुत फायदेमंद माने जाते हैं। इसके अलावा बादाम का सेवन स्किन के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। बादाम में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं और विटामिन ई की पर्याप्त मात्रा स्किन के लिए बहुत उपयोगी होता है। इसका सेवन करने से स्किन ग्लोइंग और खूबसूरत बनती है।

चिया सीड्स

अक्सर कुछ लोग चिया सीड्स को सुपरफूड्स के नाम से जानते हैं। ये छोटे से बीज पोषक तत्वों का भंडार होते हैं। इनमें कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने के लिए बहुत जरूरी है। इसके अलावा, चिया सीड्स में फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड और प्रोटीन भी होते हैं, जो पाचन, हृदय और दिमाग के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं। इन्हें अपनी डाइट में शामिल करना बहुत आसान है। आप इन्हें अपनी सुबह की स्मूदी, दलिया या सलाद में मिलाकर खा सकते हैं, जिससे आपके शरीर को भरपूर पोषण मिल सके।

कैल्शियम हमारे शरीर के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण खनिज है, जो न केवल हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है, बल्कि मांसपेशियों के कार्य, तंत्रिका संचार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब भी कैल्शियम की बात आती है तो सामान्यतौर पर सबसे पहले लोगों के दिमाग में दूध का विकल्प आता है। कई लोग लैक्टोज इनटॉलेरेंस या वीगन डाइट के कारण दूध का सेवन नहीं कर पाते हैं। ऐसे में आप डेयरी प्रोडक्ट के अलावा भी कुछ चीजों का सेवन कर सकते हैं जिनमें कैल्शियम की मात्रा अधिक होती है। इन खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल करके आप अपनी कैल्शियम की दैनिक जरूरत को आसानी से पूरा कर सकते हैं और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी हड्डियों से जुड़ी बीमारियों से बच सकते हैं।

अंजीर

सूखे अंजीर कैल्शियम का एक बेहतरीन स्रोत हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। कैल्शियम के अलावा, इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर और पोटैशियम भी होता है। फाइबर पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है और कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है, जबकि पोटैशियम दिल के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। आप इन्हें सीधे खा सकते हैं या अपनी सुबह की दलिया में मिलाकर एक पौष्टिक और स्वादिष्ट नाश्ता तैयार कर सकते हैं। इसके अलावा वजन कम करने वाले लोगों के लिए सुबह खाली पेट अंजीर खाना अधिक लाभकारी होता है। अंजीर में फाइबर होता है, इससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती है और वजन कम करने में मदद मिलती है।

तिल

तिल के छोटे-छोटे बीज कैल्शियम का एक बड़ा स्रोत हैं। इनमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन और हेल्दी फैट होता है। आप इन्हें सलाद पर छिड़ककर या तिल के लड्डू बनाकर अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा सुबह खाली पेट तिल खाना हमारे पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद होता है। तिल में फाइबर काफी मात्रा में मौजूद होता है, जो पाचन के लिए लाभकारी माना जाता है। सुबह खाली पेट तिल चबाकर खाने से पाचन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं। रोजाना सुबह खाली पेट तिल का सेवन करने से कब्ज और अपच की समस्या दूर होती है। तिल का सेवन करने से आंतों को स्वस्थ रखने में मदद मिलती है।

हंसना मना है

मम्मी-किचन से जरा छोटी वाली गिलास ले लाना...पिंटू-मुझे यहां पर कहीं भी गिलास दिखाई नहीं दे रहा है ...मम्मी-चूल्हा दिखाई दे रहा है...पिंटू-हां...मम्मी-अब एक काम कर चूल्हा जला...अब उसके ऊपर अपना मोबइल रख दे...तब दिखेगी गिलास।

संता बस में खड़ा था ब्रेक लगा तो एक लड़की पर जा गिरा, लड़की- बदतमीज ...क्या कर रहे हो, संता- आईटीआई और आप? लड़की ने की चप्पलों से पिटाई।

पति- क्या तुम्हें पता है कि गाने में इतनी ताकत होती है कि पानी भी गरम हो जाता है, पत्नी- हां हां जरूर, क्यों नहीं जानती, अब तुम यही सोच लो अगर तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है, तो फिर पानी क्यों नहीं।

संता-मुझे तुम्हें एक बात बोलनी है। पिंकी-बोलो बाबा, शर्मा क्यों रहे हो? संता-मेरे साथ चाय पे चलेगी? पिंकी-अरे नहीं चाय गर्म होती है, मेरे हाथ जल गए तो...

कन्या का बाप- क्या करते हो, लड़का-जी.. व्यापार, बाप- GST के बारे में बताओ, लड़का- शादी नहीं करनी तो सीधे मना कर दो, अंड-बंड सवाल मत करो?

कहानी | उबासी की सजा

तेनालीराम को रानी तिरुमाला ने संदेश भिजवाया कि वह बड़ी मुश्किल में हैं और उनसे मिलना चाहती हैं। तेनालीराम ने कहा, रानी जी! आपने इस सेवक को कैसे याद किया? तिरुमाला ने कहा, हम एक बड़ी मुश्किल में फंस गए हैं। तेनालीराम ने कहा, आप किसी भी तरह की चिंता बिल्कुल न करें और मुझे बताएं कि आखिर बात क्या है? रानी ने कहा, दरअसल महाराज हमसे बहुत नाराज हैं। तेनालीराम ने कहा, लेकिन क्यों? रानी ने बताया, एक दिन महाराज हमें एक नाटक पढ़कर सुना रहे थे और तभी अचानक हमें उबासी आ गई, बस इसी बात से नाराज होकर महाराज चले गए। रानी ने कहा, तब से महाराज मेरे पास नहीं आए हैं। मैंने माफी भी मांग ली थी, लेकिन महाराज पर इसका कोई असर नहीं हुआ। अब तुम्हीं मेरी इस समस्या का समाधान बता सकते हो। तेनालीराम ने कहा, आप बिल्कुल भी चिंता न करें महारानी! तेनालीराम दरबार जा पहुंचे। महाराज कृष्णदेव राय राज्य में चावल की खेती को लेकर मंत्रियों के साथ चर्चा कर रहे थे। महाराज मंत्रियों से कह रहे थे, हमारे लिए राज्य में चावल की उपज बढ़ाना आवश्यक है। हमने बहुत प्रयास किए। हमारी कोशिशों से स्थिति में सुधार तो हुआ है, लेकिन समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। तभी तेनालीराम ने चावल के बीजों में से एक-एक बीज उठाकर कहा, महाराज अगर इस किस्म का बीज बोया जाए, तो इस साल उपज कई गुना बढ़ सकती है। महाराज ने पूछा, क्या ये बीज इसी खाद के जरिए उपजाया जा सकता है? तेनालीराम ने कहा, हां महाराज! इस बीज को बोने के लिए और कुछ करने की जरूरत नहीं है, परन्तु! क्या तेनालीराम? शर्त यह है कि इस बीज को बोने, सींचने और काटने वाला व्यक्ति ऐसा होना चाहिए, जिसे जीवन में कभी उबासी न आई हो। यह बात सुनकर महाराज ने भड़कते हुए कहा, तेनालीराम! तुम्हारे जैसा मूर्ख व्यक्ति मैंने आज तक नहीं देखा। क्या संसार में ऐसा कोई होगा जिसे कभी उबासी न आई हो। तेनालीराम ने कहा, ओह! मुझे माफ करें महाराज! मुझे नहीं पता था कि उबासी सब को आती है। मैं ही नहीं, महारानी जी भी यही समझती हैं कि उबासी आना बहुत बड़ा अपराध है, मैं अभी जाकर महारानी जी को भी यह बात बताता हूं। पूरी बात महाराज की समझ में आ गई। वे समझ गए कि तेनालीराम ने यह बात उन्हें सही रास्ता दिखाने के लिए कही थी। उन्होंने कहा, मैं खुद जाकर यह बात महारानी को बता दूंगा। महाराज तुरंत महल जाकर रानी से मिले और उनके साथ सभी शिकायतों को दूर कर दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

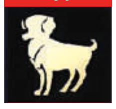

नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा।

तुला

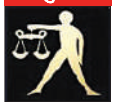

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें।

वृषभ

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। धन की आवक बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी।

वृश्चिक

वाणी पर नियंत्रण रखें। विवादों से दूर रहना चाहिए। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें।

मिथुन

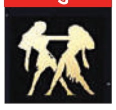

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। पूंजी निवेश बढ़ेगा। प्रचार-प्रसार से दूर रहें।

धनु

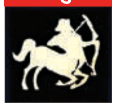

कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क

क्रोध पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दु:खद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। वास्तविकता को महत्व दें।

मकर

मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। सगे-संबंधी मिलेंगे।

सिंह

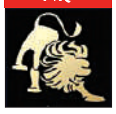

नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। खानपान पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ

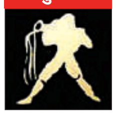

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें। संपत्ति के लेनदेन में सावधानी रखें।

कन्या

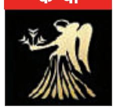

मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। मान बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। पराक्रम में वृद्धि होगी।

मीन

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन में तनाव हो सकता है।

यशराज की फिल्म में रोमांस करते नजर आएंगे शारवरी वाघ व अहान!

शारवरी वाघ और अहान पांडे ने निर्देशक अली अब्बास जफर की नई एक्शन-रोमांस फिल्म साइन कर ली है। अभिनेत्री शारवरी ने कथित तौर पर फिल्ममेकर अली अब्बास जफर की आने वाली इस अनाम एक्शन-रोमांस फिल्म में अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी नजर आएगी।

अहान पांडे ने अपनी फिल्म सैयारा से बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया। वहीं शरवरी भी 100 करोड़ की हिट फिल्म मुंजा का हिस्सा रहीं। दोनों ने साबित कर दिया कि अच्छा अभिनय ही लोगों को थिएटर तक खींच सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सैयारा एक्टर अहान पांडे और मुंजा एक्ट्रेस शरवरी वाघ यशराज फिल्म्स की आगामी एक्शन रोमांस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे। इस फिल्म के जरिए जफर टाइगर जिंदा है के 9 साल बाद YRF बैनर के साथ वापसी कर रहे हैं।

यह एक एक्शन-रोमांस फिल्म होगी। यह फिल्म अभी बिना टाइटल है। यह आदित्य चोपड़ा और अली अब्बास जफर की पांचवीं फिल्म साथ में होगी। पहले वे मेरे ब्रदर की दुल्हन, गुंडे, सुल्तान और टाइगर जिंदा है जैसी फिल्में बना चुके हैं। सोशल मीडिया पर फैंस इस खबर से बेहद खुश हैं और शरवरी और अहान को एक साथ देखने के लिए उत्सुक हैं। तो वहीं कई फैंस शरवरी और अहान की जोड़ी को लेकर फायर इमोजी पोस्ट कर रहे हैं।

पवन कल्याण-इमरान हाशमी की ओजी अब ओटीटी पर मचाएगी धमाल

पवन कल्याण और इमरान हाशमी की तेलुगु ब्लॉकबस्टर दे कॉल हिम ओजी ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म किया है। वहीं अब ये डिजिटल डेब्यू करने की तैयारी कर रही है। यानी पवन कल्याण के जो फैंस इस फिल्म को सिनेमाघरों में देखने से चूक गए थे, उनके पास अब इसे ऑनलाइन स्ट्रीम करने का मौका होगा। चलिए जानते हैं दे कॉल हिम ओजी ओटीटी पर कब और कहां रिलीज होगी?

खबरों के मुताबिक, फिल्म चार हफ्ते सिनेमाघरों में चलने के बाद 23 अक्टूबर, 2025 से ओटीटी पर प्रीमियर के लिए तैयार है। पवन कल्याण की इस फिल्म के डिजिटल राइट्स कथित तौर पर अच्छी-खासी रकम में बेचे गए हैं। ओटीटी रिलीज़ की तारीख के बारे में जल्द ही ऑफिशियल अनाउंसमेंट होने की उम्मीद है। हालांकि 123 तेलुगु वेबसाइट की रिपोर्ट्स के मुताबिक सिनेमाघरों में प्रदर्शन के बाद यह एक्शन फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग शुरू करेगी।

सैकनिल्क वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, दे कॉल हिम ओजी ने अपने 12वें दिन 1।40 करोड़ रुपये कमाए। इससे इसकी कुल घरेलू कमाई 184।20 करोड़ रुपये हो गई है। इस फिल्म का पहला हफ़्ता शानदार रहा और इसने 169।3 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके बाद के दिनों में इसमें धीरे-धीरे गिरावट आई। बता दें कि दूसरे शुक्रवार को इस फिल्म ने 4।75 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं दूसरे, शनिवार को 4।6 करोड़ रुपये और दूसरे रविवार को इसका कलेक्शन 4।15 करोड़ रुपये रहा।

वहीं पवन कल्याण की ओजी दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई के साथ 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तेलुगु फिल्म का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर चुकी है। सुजीत द्वारा निर्देशित यह फिल्म इस स्टार अभिनेता के करियर की अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म भी है।

डीवीवी दानय्या और कल्याण दासारी द्वारा डीवीवी एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित इस फिल्म में पवन कल्याण के अलावा इमरान हाशमी, प्रियंका मोहन, प्रकाश राज, श्रिया रेड्डी, सुदेव नायर, सुभलेका सुधाकर और हरीश उथमन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। थमन ने ट्यून कंपोज की है।

बॉलीवुड | मन की बात

कजरा रे के लिए यशराज फिल्म्स ने मुझे उचित भुगतान नहीं किया : अलीशा चिनॉय

अलीशा चिनॉय एक ऐसी गायिका हैं, जिन्होंने भारत में पॉप म्यूजिक को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। उन्होंने कई फिल्मों में कई सुपरहिट गाने गाए हैं। उनका सबसे लोकप्रिय और सुपरहिट गाना 'बंटी और बबली' फिल्म का 'कजरा रे' है। इस गाने ने लोकप्रियता के कई रिकॉर्ड स्थापित किए थे। गाने को आज भी काफी पसंद किया जाता है। लेकिन अब अलीशा ने खुलासा किया कि इस गाने के इतना मशहूर होने के बावजूद यशराज फिल्म्स ने उन्हें उचित भुगतान नहीं किया था। ज़ूम के साथ बातचीत के दौरान अलीशा चिनॉय ने अपने सबसे मशहूर गीत 'कजरा रे' के लिए कम भुगतान किए जाने को लेकर बड़ा खुलासा किया। सिंगर ने बताया कि मेरी सफलता के बाद भी उन्होंने आज तक मुझे 'कजरा रे' के लिए कम भुगतान किया। उन्होंने यशराज फिल्म्स द्वारा दिए गए कम भुगतान की आलोचना की। उन्होंने आगे कहा कि मुझे बहुत दुख हुआ। मुझे लगा क्या उनके पास एक गायक की कोई अहमियत नहीं है? मैं उस समय एक बड़ी सिंगर थी। मेरे पास मेड इन इंडिया थी। मैं बस घर पर बैठी थी। मैं वास्तव में प्लेबैक सिंगिंग नहीं करना चाहती थी। लेकिन मुझे एहसान (शंकर, एहसान, लॉय तिकड़ी) ने बुलाया तो मैंने कहा कि जरूर, मुझे यह गाना करना अच्छा लगेगा। अलीशा ने आगे बताया कि 'कजरा रे' के लिए उन्हें सिर्फ 15,000 रुपये मिले थे। यह अच्छी तरह जानते हुए कि यह यशराज है, मैंने कहा, ठीक है। जब चेक आया, तो मैं हैरान रह गई। मैंने चेक स्वीकार नहीं किया, वे उसे बार-बार वापस भेजते रहे। मैं उस समय थोड़ी छोटी थी और सच कहूं तो राजनीतिक रूप से सही नहीं थी, शायद मैंने जो महसूस किया, वही कह दिया और बस यूं ही बोल दिया। यह बात मुझे अच्छी नहीं लगी।

क्या आपको मालूम है तितलियों के पंखों पर पाउडर जैसा पदार्थ क्या होता है?

तितली के पंख बहुत महीन झिल्ली से बने हुए होते हैं, जिनमें बारीक नसों का जाल-सा होता है। ये महीन झिल्ली हजारों नन्ही-नन्ही पपड़ियों से भरी होती हैं। हर पपड़ी एक कोशिका का विस्तार होता है। जब आप तितली को पंख से पकड़ते हैं, तो आपके हाथ में जो पाऊडर जैसा पदार्थ आता है, वे ये पपड़ियां ही हैं। इसके दो उपयोग हैं। पहला यह कि वे पंखों को रंग प्रदान करती हैं और दूसरा उनकी रक्षा करती हैं।

पैरों से स्वाद लेना: तितलियों के पैरों में स्वाद ग्राही होती हैं, जिनकी मदद से वे पत्तों पर उतरकर सही पौधा पहचानती हैं और रस का स्वाद लेती हैं। **पराबैंगनी प्रकाश देखना:** वे मनुष्यों की तुलना में पराबैंगनी प्रकाश भी देख सकती हैं, जिससे उन्हें फूलों और साथियों को ढूंढने में आसानी होती है। **श्रवण और कम्पन :** तितलियां सुन नहीं सकतीं, लेकिन वे अपन आसपास के कम्पन को महसूस कर सकती हैं। **जीवन के चार चरण:** तितली का जीवन चक्र चार चरणों में होता है- अंडा, लार्वा (कैटरपिलर), प्यूपा और वयस्क तितली। **रस चूसना:** वयस्क तितलियां अपने मुंह की जगह एक सूंड का इस्तेमाल करती हैं, जिससे वे फूलों से रस चूसकर अपना भोजन करती हैं। **लम्बा सफर:** कुछ तितली प्रजातियां, जैसे मोनार्क तितली, हर साल हजारों मील का सफर करती हैं। **परागण में सहायक:** तितलियां फूलों से रस चूसते समय परागण में मदद करती हैं, जो पौधों के विकास के लिए बहुत आवश्यक होता है। **पर्यावरण संकेतक:** तितलियों की आबादी बेहतर पर्यावरणीय परिस्थितियों का संकेत देती है, जिससे वे पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य की सूचक बनती हैं।

अजब-गजब | यहां महिलाओं की पसंदीदा स्नेक बन चुकी है यह मिट्टी

नास्ते के रूप में बड़े चाव से महिलाएं खाती हैं यह मिट्टी, जबकि पुरुषों के लिए है जानलेवा

क्या आपने कभी सुना है कि नाश्ते में मिट्टी खाई जाती हो? पंजाब के बाजारों में ये कोई मजाक नहीं, बल्कि सदियों पुरानी परंपरा है। मुल्तानी मिट्टी, जो भुनी हुई क्ले के रूप में बिकती है, महिलाओं का पसंदीदा स्नैक बन चुकी है। लेकिन चौंकाने वाली बात ये कि पुरुषों को इसे खाने की मनाही है, क्योंकि इससे किडनी स्टोन का खतरा बढ़ जाता है। एक इंस्टाग्राम रील ने इस रहस्य को दुनिया के सामने ला दिया, जहां एक महिला बाजार में इसे चखते हुए दिखी। रील में बताया गया कि ये कैल्शियम से भरपूर है, जो महिलाओं की हड्डियों के लिए रामबाण है लेकिन लत लग जाए तो घातक साबित हो सकती है।

मुल्तानी मिट्टी मूल रूप से पाकिस्तान के मुल्तान क्षेत्र से आती है, लेकिन भारत के पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में भी लोकप्रिय है। बाजारों में इसे किलो के भाव बेचा जाता है—कच्ची या भुनी हुई। भुनी मिट्टी का स्वाद नमकीन-मिट्टी जैसा होता है, जो महिलाओं को खासा भाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, ये जियोफैगी (मिट्टी खाने की प्रवृत्ति) का हिस्सा है, जो दुनिया भर की कई संस्कृतियों में पाई जाती है। पंजाब में गर्भवती

महिलाएं इसे खासतौर पर पसंद करती हैं, क्योंकि इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम और आयरन प्रचुर मात्रा में होता है। एक स्थानीय विक्रेता ने बताया, 'ये हमारी दादी-नानी की परंपरा है। सुबह खाली पेट एक मुट्ठी भरपूर एनर्जी देती है।'

महिलाओं को ये खाना काफी पसंद है। हेल्थ बेनिफिट्स के साथ ही साथ ये उन्हें स्वादिष्ट भी लगती है। लेकिन पुरुषों के लिए ये जहर समान है। डॉक्टरों का कहना है कि पुरुषों के शरीर में इसका असर अलग होता है, जो किडनी में पथरी पैदा कर सकता है। हालांकि, आपको बता दें कि यह प्रथा नई नहीं है। अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशिया के कई हिस्सों में जियोफैगी प्रचलित है। भारत में नागालैंड जैसे राज्यों में पत्थर तक खाए जाते हैं, जो मिनरल्स का स्रोत माने जाते हैं। पंजाब में इसे 'भूतड़ा मिट्टी' भी कहते हैं, जो पाचन तंत्र को मजबूत करती है। लेकिन इसे खाने में खतरे भी कम नहीं हैं। ज्यादा खाने से आंतें ब्लॉक हो सकती हैं, भारी धातुओं का जहर फैल सकता है और पोषक तत्वों की कमी हो सकती है।

एक रेडिट थ्रेड में यूजर्स ने बताया कि एनीमिया से पीड़ित महिलाएं इसे खाती हैं, जो पिका डिसऑर्डर का लक्षण है। विक्रेता अक्सर चेताते हैं, 'ये सिर्फ महिलाओं के लिए ही है। मर्दों को इससे दूर रहना चाहिए।' इंस्टाग्राम पर शिवानी मित्रा नाम की इन्फ्लुएंसर ने उसका वीडियो जानकारी के साथ शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'ये रोस्टेड क्ले है, यानी मुल्तानी मिट्टी। ये महिलाओं के लिए कैल्शियम का खजाना है लेकिन लत लग जाए तो बुरा है।' इस रील को लाखों व्यूज मिले जहां लोग हैरान नजर आए। कुछ ने इसे सांस्कृतिक धरोहर बताया, तो कई ने स्वास्थ्य जोखिमों पर सवाल उठाए।

देश में अराजकता फैलाने की कोशिश

सुप्रीम कोर्ट में जूता उछालने वाली घटना पर सीजेआई की मां कमला ताई का सख्त रिएक्शन

» बोलीं- किसी को भी अव्यवस्था फैलाने का अधिकार नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में हुई जूता उछालने वाली घटना पर भारत के मुख्य न्यायाधीश सीजेआई बी आर गवई की मां कमलाताई गवई ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस घटना को संविधान पर हमला और देश में अराजकता फैलाने की कोशिश बताया है। यह सीजेआई की मां की इस हमले के बाद पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया है। यह घटना तब हुई जब सीजेआई गवई की अगुवाई वाली बेंच में केस की सुनवाई चल रही थी। तभी एक वकील ने एक जूता उछालने को कोशिश की। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उस वकील को बाहर निकाला। बाद में उस आरोपी की पहचान वकील राकेश किशोर के रूप में हुई। जब उसे कोर्ट रूम से ले जाया जाया जा रहा था, तब किशोर चिल्लाया, सनातन का अपमान नहीं सहेंगे।

वह खजुराहो विष्णु मूर्ति बहाली मामले की सुनवाई के दौरान की गई टिप्पणियों का जिक्र कर रहा था। मंगलवार को अमरावती में पत्रकारों से बात करते हुए कमलाताई ने कहा, ऐसे काम अराजकता फैलाते हैं। हर नागरिक को अपनी असहमति व्यक्त करने का अधिकार है, लेकिन किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। हमें अपने लोकतांत्रिक संस्थानों की गरिमा की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने संयम और आपसी सम्मान का आह्वान करते हुए कहा, यह सिर्फ एक व्यक्तिगत हमला नहीं है, बल्कि एक जहरीली विचारधारा का हिस्सा है जिसे फैलने से पहले रोका जाना चाहिए। ऐसी घटनाएं हमारे संविधान का अपमान करती हैं और हमारे राष्ट्र को शर्मिंदा करती हैं। जो कोई भी संविधान के खिलाफ काम करता है, उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। डॉ. बी.आर. अंबेडकर के दृष्टिकोण में अपना विश्वास दोहराते हुए कमलाताई ने कहा, बाबासाहेब अंबेडकर ने हमें जीओ और जीने दो के सिद्धांत पर आधारित एक समावेशी संविधान दिया है। किसी को भी अव्यवस्था फैलाने का अधिकार नहीं है। मैं लोगों से आग्रह करती हूं कि वे अपने मुद्दों को शांतिपूर्वक और संवैधानिक माध्यमों से हल करें। यह बयान कुछ ही दिनों बाद आया है जब कमलाताई ने दलित समूहों की ओर से विरोध के बाद अमरावती में आरएसएस शताब्दी समारोह में शामिल होने का निमंत्रण ठुकरा दिया था।

गवई पर हमले से बिहार कांग्रेस अध्यक्ष रो पड़े

बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम उस समय रो पड़े जब उन्होंने एक वकील द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश के बारे में बात की। राम, जो खुद भी दलित हैं, ने कहा कि यह दर्द सभी दलितों को होता है। न्यायमूर्ति गवई ऐतिहासिक रूप से उत्पीड़ित जाति समूह, दलितों से मुख्य न्यायाधीश बनने वाले दूसरे व्यक्ति हैं, तथा पहले बौद्ध हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट पर हमला है। (और) लाखों दलितों का अपमान है। इस पर उनकी आंखों में आंसू आ गए। राजेश राम ने पटना में एक प्रेस वार्ता में कहा कि हम जानते हैं कि समाज में इतनी ऊंचाई तक पहुंचने से पहले, एक व्यक्ति को कितने लंबे समय तक कितनी त्रासदियां और कितना दर्द सहना पड़ता है। उसके बाद भी, जब समाज उसे स्वीकार नहीं करता, तो आप अपने घर की चारदीवारी में भी अपमानित महसूस करते हैं।उन्होंने हिंदी में कहा कि एक दलित होने के नाते, इससे ज़्यादा गहरी भावना और क्या हो सकती है। उन्होंने आगे कहा कि हमें हमेशा से, यहां तक कि विधानमंडलों के भीतर भी, आज तक भेदभाव सहना पड़ा है।

मुख्य न्यायाधीश पर हमला शर्मनाक घटना : पायलट

पायलट ने मुख्य न्यायाधीश पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह हम सब देशवासियों के लिए अत्यंत दुखद और शर्मनाक घटना है। हमारे देश की संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं में इस तरह की हिंसा या असहिष्णुता की कोई जगह नहीं है। असहमति का मतलब टकराव नहीं होता। विचारों के मतभेद लोकतंत्र की ताकत हैं, कमजोरी नहीं। उन्होंने कहा कि इस घटना ने देश में कड़वाहट पैदा की है और जो लोग ऐसी हरकत करते हैं, वे लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करते हैं।

जातिवादी विचारधारा समाज के लिए अभिशाप : हुड्डा

सुप्रीम कोर्ट में एक वकील द्वारा मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश के घटनाक्रम ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। इस घटना पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और हरियाणा से सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया में कहा सीजेआई पर इस तरह का घृणित प्रहार करना बताता है कि हमला करने वाला व्यक्ति किस घृणित मानसिकता का होगा। सांसद ने कहा समाज में इस तरह की मानसिकता हम सबके लिए पीड़ा का विषय है। वह मंगलवार को वाल्मीकि जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्ति को वकालत से डी-बार करने से कुछ नहीं होगा। सरकार को उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए, क्योंकि इसके पीछे एक जातिवादी विचारधारा बताई जा रही है, जो हमारे समाज के लिए एक कैंसर की बीमारी है। इसलिए इस पर सरकार को कठोरता से कार्रवाई करनी चाहिए ताकि पूरे देश में एक संदेश जाए कि देश संविधान से चलेगा और संविधान में देश का हर नागरिक बराबर है।

मंधाना का वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर दबदबा कायम

» गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में सिर्फ एक भारतीय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारतीय महिला टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने शीर्ष पर अपना दबदबा कायम रखा है। मंधाना आईसीसी की जारी महिलाओं की नवीनतम बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार हैं। मंधाना का बल्ला हालांकि, विश्व कप में खामोश चल रहा है और वह पहले दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी हैं। लेकिन रैंकिंग में उनका दबदबा कायम है।

मंधाना भले ही शीर्ष पर मौजूद हैं, लेकिन उनकी बढ़त कम हो गई है। मंधाना के 791 अंक हैं और वह इंग्लैंड की नेट स्किवर ब्रंट से 60 अंक आगे हैं। महिला विश्व कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन महिला वनडे मैच की सीरीज में लगातार दो शतक जड़ने वाली मंधाना श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ आठ, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ 23 रन ही बना सकीं थीं। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी 713 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स (706) और ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर (697) न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जड़ने के बाद आईसीसी रैंकिंग में क्रमश: चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। वहीं इंग्लैंड की सोफी एकलेस्टोन गेंदबाजी रैंकिंग में 792 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। स्पिनर दीप्ति शर्मा (640) शीर्ष 10 में एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। वह एक स्थान के नुकसान से छठे पायदान पर हैं।

आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की दौड़ में तीन भारतीय अभिषेक-कुलदीप और मंधाना का नाम शामिल

दुबई। आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनने की दौड़ में तीन भारतीय शामिल हैं। पुरुष वर्ग में अभिषेक शर्मा और कुलदीप यादव का नाम शामिल है, जबकि महिलाओं में स्मृति मंधाना नामित खिलाड़ियों में सूची में हैं। अभिषेक और कुलदीप ने हाल ही में संपन्न हुए एशिया कप में भारत को मिली खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। अभिषेक टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे, जबकि कुलदीप ने सबसे ज्यादा विकेट लिए थे। अभिषेक ने सात टी20 मैच में तीन अर्धशतक की मदद से 314 रन बनाए। इस 25 साल के बल्लेबाज ने पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास की सर्वाधिक रेटिंग 931 अंक भी हासिल की। स्पिनर कुलदीप ने एशिया कप में 6.27 की इकोनॉमी दर से गेंदबाजी करते हुए 17 विकेट चटकाए। भारत की अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को महिला वर्ग में इस खिताब के लिए नामांकित किया गया है। उन्होंने सितंबर में चार वनडे मैचों में 308 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 77 और स्ट्राइक रेट 135.68 रहा। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में 58, 117 और 125 रन की पारियां खेलीं। वहीं पुरुषों में जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट इस नामांकन को हासिल करने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। उन्होंने सितंबर में नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 497 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 55.22 और स्ट्राइक रेट 165.66 का रहा। बेनेट श्रीलंका और नामीबिया के खिलाफ सीरीज के सर्वोच्च स्कोरर रहे।

रायबरेली में युवक की हत्या समाज पर कलंक : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। यूपी के रायबरेली में चोर बताकर युवक हरिओम की पीट-पीटकर हत्या के मामले में सियासत जोर पकड़ती जा रही है। मामले में कांग्रेस लगातार यूपी सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने संयुक्त रूप से बयान जारी करके सरकार को घेरा। इसमें युवक की हत्या की निंदा की गई। इसे संविधान के प्रति अपराध बताया।

खरगे ने कहा कि हरिओम वाल्मीकि की निर्मम और क्रूर हत्या समाज पर कलंक है। हाथरस, उन्नाव और रायबरेली की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि देश में अल्पसंख्यकों और गरीबों पर अपराध की संख्या लगातार बढ़ रही है। 2014 के बाद से मॉब लिंचिंग, बुलडोजर अन्याय और भीड़तंत्र जैसी प्रवृत्तियां भयावह बन चुकी हैं।

लखनऊ में सफाई व्यवस्था चरमराई

» पिछले 10 दिन से कूड़ा नहीं उठा
» नगर निगम और प्राइवेट कंपनी पर उठे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। नगर निगम द्वारा शहर की सफाई का जिम्मा प्राइवेट कंपनियों को सौंपे जाने के बावजूद हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। कई जोनों में पिछले 10-10 दिन से कूड़ा नहीं उठाया गया, जिससे शहर के कई इलाके गंदगी से पटे पड़े हैं। लायन सिक्योरिटी कंपनी, जिसे नगर निगम ने करोड़ों रुपये का टेंडर दिया है, पर गंभीर लापरवाही और धांधली के आरोप लग रहे हैं।

कृष्णा नगर क्षेत्र के चित्रगुप्त वार्ड में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं, तो वहीं

स्काई हिल्टन रोड कूड़े के अंबार में तब्दील हो चुकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम के अफसर और ठेकेदार कंपनियां आपसी मिलीभगत से सफाई व्यवस्था की नाकामी छिपा रहे हैं। अफसर सिर्फ फोटो खिंचवाकर रिपोर्ट पूरी मान लेते हैं, जबकि जमीन पर सफाई का नामोनिशान नहीं है। जनता सवाल पूछ रही है आखिर कब तक लखनऊ के लोग गंदगी और बदइंतज़ामी से जूझते रहेंगे?

कांग्रेस के मजबूत होने पर ही देश रहेगा अखंड

» गहलोत की चेतावनी- देश में ध्रुवीकरण का खतरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि ध्रुवीकरण के मौजूदा माहौल में कांग्रेस को और मज़बूत होने की ज़रूरत है क्योंकि यही एकमात्र पार्टी है जो देश को अखंड रख सकती है। गहलोत अपने पूर्व सहयोगी भरत सिंह के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए कोटा आए थे। गहलोत ने कहा, देशहित में कांग्रेस का मजबूत होना जरूरी है। खासकर यहां जो हालात बन गए हैं, जिस तरह से ध्रुवीकरण हो रहा है और जिस तरह से तनाव व्याप्त है। ये सभी अच्छे संकेत नहीं हैं।'' उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में केवल कांग्रेस ही देश को अखंड रख सकती है और एकता के सूत्र में बांध सकती है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री भरत सिंह कुंदनपुर का सोमवार रात जयपुर के एसएमएस अस्पताल में निधन हो गया।

वह 75 वर्ष के थे। मिली जानकारी के अनुसार, लंबे समय से अस्वस्थ कुंदनपुर को पहले कोटा के अस्पताल में भर्ती कराया गया था और बाद में जयपुर के एसएमएस अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को कोटा जिले के उनके पैतृक गांव कुंदनपुर में किया जाएगा। चार बार विधायक रहे कुंदनपुर अपने मुखर स्वभाव के लिए जाने जाते थे। वह भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते रहते थे। कुंदनपुर अक्सर अपनी ही पार्टी की सरकार के खिलाफ बोलने के लिए भी सुर्खियों में रहते थे। कांग्रेस की पिछली सरकार (2018-2023) के दौरान उन्होंने सार्वजनिक रूप से तत्कालीन मंत्री प्रमोद जैन भाया पर भ्रष्टाचार और खनन गतिविधियों में अनियमितताओं का आरोप लगाया था और विरोध स्वरूप अपना सिर मुंडवा लिया था।

पूर्व कांग्रेस नेता के निधन पर गहलोत ने जताया शोक

पत्रकारों से बात करते हुए, गहलोत ने कहा कि वि प्रतिबद्ध, ईमानदार और स्पष्टवादी थे। उन्होंने कहा, वह स्पष्टवादी थे और वह जब विधानसभा का चुनाव नहीं जीते तो ग्राम पंचायत में पंच बन गए! कहने का मतलब उनकी प्रतिबद्धता पंचायती राज के प्रति थी। इस प्रकार से व्यक्ति कोई सरपंच या पंच बन सकता है जबकि वह मंत्री रहा हो इस प्रकार से वह अलग व्यक्तित्व रखते थे अपना।'' उन्होंने कहा कि कुंदनपुर के निधन से कांग्रेस पार्टी को क्षति हुई है, ''और मुझे तो व्यक्तिगत रूप से बहुत आघात लगा है। पूरे हाड़ौती के लिए आवाज उठाने वाला कर्मठ व्यक्ति चला गया है।'' विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सहित अन्य नेताओं ने भी कुंदनपुर के निधन शोक व्यक्त किया।

अखिलेश से मिलकर भावुक हुए आजम खान

» सपा नेता ने गले लगाकर किया स्वागत

» बरेली शहर में प्रवेश की अनुमति नहीं मिली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव आज पार्टी के वरिष्ठ नेता आज़म खान से रामपुर स्थित उनके आवास पर मुलाकात किया है। 22 सितंबर को सीतापुर जेल से रिहा होने के बाद, यानी लगभग 23 महीने बाद, दोनों नेताओं के बीच यह पहली मुलाकात है।

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव अब मुरादाबाद नहीं बल्कि बरेली एयरपोर्ट से सीधे रामपुर गए। जानकारी के अनुसार, प्रशासन ने उन्हें बरेली शहर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी है, जिसके बाद उनके कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। आजम खान ने अखिलेश यादव को गले लगाते हुए उनका स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेता एक ही कार से घर के लिए रवाना हो गए। बैठक से पहले, आज़म खान ने साफ़ तौर पर कहा कि वह सिर्फ़ अखिलेश यादव से मिलेंगे। रामपुर के सांसद मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी से मुलाक़ात के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वह उन्हें नहीं जानते। उन्होंने कहा कि कोई कार्यक्रम नहीं है। अखिलेश यादव मुझसे मिलेंगे, और मैं सिर्फ़ उनसे ही मिलूँगा। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात ऐसी अफवाहों के बीच हो रही है कि रामपुर के पूर्व सांसद मायावती की बसपा में शामिल हो सकते हैं। हालाँकि, उन्होंने इन दावों का खंडन करते हुए कहा कि वह समाजवादी पार्टी में बने रहेंगे। इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हमारे पास चरित्र नाम की एक चीज़ है। चरित्र का मतलब यह नहीं है कि हम किसी पद पर हैं या नहीं; इसका मतलब है कि लोग हमें प्यार और सम्मान देते हैं। और हम बिकाऊ नहीं हैं, हमने यह साबित कर दिया है। 18 सितंबर को, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने क्वालिटी बार ज़मीन हड़पने के मामले में आज़म खान को ज़मानत दे दी। इस मामले में रामपुर के सिविल लाइंस थाने में उनके और अन्य के ख़िलाफ़ एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। प्राथमिकी के बाद, खान ने ज़मानत के लिए उच्च न्यायालय का रुख़ किया। इससे पहले, खान को एक विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने 17 साल पुराने एक मामले में बरी कर दिया था, जिसमें सड़क जाम करने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने का मामला शामिल था। इसके अलावा, 10 सितंबर को, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने रामपुर की डूंगरपुर कॉलोनी से निवासियों को कथित तौर पर जबरन बेदखल करने से जुड़े एक अलग मामले में आज़म खान को ज़मानत दे दी। पिछले कुछ वर्षों में आज़म खान के ख़िलाफ़ विभिन्न आपराधिक आरोपों से संबंधित कुल 16 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

सोनम वांगचुक से जेल में मिलीं पत्नी गीतांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लेह। लद्दाखी अन्वेषक और पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो ने बुधवार को बताया कि कानूनी कार्रवाई के बावजूद उनका मनोबल मजबूत बना हुआ है, क्योंकि उनकी कानूनी टीम उनके खिलाफ जारी किए गए नजरबंदी आदेश को चुनौती देने की तैयारी कर रही है।

कानूनी लड़ाई का लिया संकल्प

वांगचुक और उनके कानूनी सलाहकार रितम खरे से मुलाकात के बाद गीतांजलि ने बताया कि हालांकि हिरासत आदेश प्राप्त हो गया है, लेकिन वांगचुक की अपने मुद्दे के प्रति प्रतिबद्धता पहले से कहीं अधिक मजबूत है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि हमें नज़रबंदी का आदेश मिला है, जिसे हम चुनौती देंगे। उनका हौसला अडिग है। उनकी प्रतिबद्धता दृढ़ है! उनका लचीलापन बरकरार है! वह सभी के समर्थन और एकजुटता के लिए हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करते हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने गीतांजलि द्वारा दायर एक रिट याचिका पर केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख से जवाब मांगा था। इस याचिका में गीतांजलि ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत अपनी हिरासत को चुनौती दी थी और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की थी। हालांकि, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने हिरासत के आधार बताने संबंधी उनकी याचिका पर कोई आदेश देने से इनकार कर दिया और मामले की सुनवाई 14 अक्टूबर के लिए स्थगित कर दी। वांगचुक को 26 सितंबर को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत में लिया गया था। यह घटना केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शनों के दो दिन बाद हुई थी। इस हिंसक प्रदर्शन में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हो गए थे। सरकार ने उन पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया था। एनएसए केंद्र और राज्यों को व्यक्तियों को हिरासत में लेने का अधिकार देता है ताकि वे भारत की रक्षा के लिए हानिकारक कार्य न कर सकें। अधिकतम हिरासत अवधि 12 महीने है, हालाँकि इसे पहले भी रद्द किया जा सकता है। वांगचुक राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद हैं। शीर्ष अदालत ने अधिकारियों को जेल नियमों के तहत वांगचुक की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने का निर्देश दिया।

फतेहपुर : टायर फटने से स्कार्पियो खंदक में गिरी, चार लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फतेहपुर। फतेहपुर जिले में कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर बुधवार की सुबह भोर पहर एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की पानी में डूबने से मौत हो गई। हादसा तब हुआ जब शादी समारोह से लौट रही एक स्कार्पियो अनियंत्रित होकर बड़ौरी ओवरब्रिज के पास पानी से भरे गहरे खंदक में जा गिरी। हादसे में पानी में डूबने चार लोगों की मौत हो गई।

पुलिस शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार, प्रयागराज के सब्जी मंडी खुल्दाबाद से नौ लोग कानपुर के मोतीझील स्थित वाल्मीकि आश्रम में आयोजित सामूहिक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। बुधवार सुबह वापस लौटते समय बड़ौरी ओवरब्रिज के पास स्कार्पियो का टायर फट गया, जिससे गाड़ी अनियंत्रित होकर गहरे पानी भरे खंदक में जा घुसी। गाड़ी में पानी भर जाने के कारण चार लोगों की दम घुटने से मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पांच लोगों को सकुशल बाहर निकाल लिया। पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। हादसे के मृतकों में साहिल गुप्ता (26), शिवम साहू (28), रितेश सोनकर (28), और राहुल केसरवानी (25) शामिल हैं। वहीं, चालक राहुल कुमार, महेश, अमित, सुमित, नीरज समेत पांच को बचा लिया गया।

कांग्रेस विस चुनाव में मथेगी पूरा बिहार

» राहुल गांधी बिहार में करेंगे 10 सभाएं, प्रियंका की पांच से छह सभाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर कांग्रेस इस बार अति सक्रियता के साथ अपनी चुनावी तैयारियों को अंजाम दे रही है। अब जबकि चुनाव की घोषणा हो चुकी है तो बड़े नेताओं की चुनावी सभाओं का सिलसिला शुरू होगा। कांग्रेस से मिली जानकारी के अनुसार, राहुल गांधी की अब तक बिहार में नौ से 10 चुनावी सभाएं करने की योजना है, जबकि प्रियंका गांधी वाड्रा की भी पांच से छह चुनावी सभाएं प्रस्तावित हैं।

सूत्रों के अनुसार, प्रदेश कांग्रेस को अब तक राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के जो संभावित कार्यक्रम मिले हैं उसमें राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के अलावा खरगे की तीन से चार चुनावी सभाएं करने की बात है।

कांग्रेस के इन तीन वरिष्ठ नेताओं के अलावा राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, उपमुख्यमंत्री सचिव पायलट, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के अलावा दूसरे कई बड़े नेताओं की यहां सभाएं होंगी। कांग्रेस प्रवक्ता असितनाथ तिवारी ने बताया कि पार्टी फिलहाल स्टार वक्ताओं के नाम तय कर रही है। दो-चार दिनों के अंदर स्टार वक्ताओं के नाम जारी कर दिए जाएंगे।

तेजस्वी यादव राजद की ओर से चुनावी सभाओं को लीड करेंगे

इधर दूसरी ओर, राजद के वरिष्ठ नेता और मुख्यमंत्री पद के दावेदार तेजस्वी यादव राजद की ओर से चुनावी सभाओं को लीड करेंगे। वे राजद के साथ महागठबंधन के अन्य दलों के उम्मीदवारों के लिए भी प्रचार करेंगे। पार्टी फिलहाल उनकी चुनावी सभाओं का कार्यक्रम तय कर रही है। पार्टी प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि दो-चार दिनों में तेजस्वी यादव के चुनाव प्रचार का कार्यक्रम जारी कर दिया जाएगा। तेजस्वी के साथ ही भाकपा माले की ओर से प्रचार की कमान दीपंकर भट्टाचार्य संभालेंगे। उनके साथ राष्ट्रीय स्तर के अन्य नेता भी मंच शिरकत करेंगे। भाकपा माले भी वरिष्ठ नेताओं के कार्यक्रम तय करने में जुटी है।

मध्य प्रदेश : कफ सिरप मामले पर गरमाई सियासत

» बच्चों की मौत की न्यायिक जांच हो : सिंघार

» कांग्रेस पहुंची दिल्ली भाजपा सरकार पर प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। छिंदवाड़ा जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामले में कांग्रेस ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस ने इसे करप्शन और कमीशन का मामला बताते हुए न्यायिक जांच, विस्तृत मेडिकल स्कैनिंग, मृतक परिवारों को सरकारी नौकरी और इलाज में हुआ पूरा खर्च लौटाने की मांग की।

दिल्ली में आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, राजस्थान के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और परासिया विधायक सोहन बाल्मीकि मौजूद रहे।

सिंघार ने सवाल किया कि, जब छोटे मामलों में सरकार बुलडोजर चला देती है, तो क्या इस मामले में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के घर भी बुलडोजर चलेगा ?उमंग सिंघार ने कहा कि 24 अगस्त से 6 अक्टूबर के बीच परासिया और बैतूल में 15 से अधिक बच्चों की मौत हुई, लेकिन सरकार की ओर से समय पर न तो मेडिकल जांच कराई गई, न ही पीड़ित परिवारों को कोई सुरक्षा या सहायता मिली। उन्होंने कहा, यह सरकार की लापरवाही नहीं, बल्कि आपराधिक उदासीनता है।

विधायक ने पहले ही लिखा था सीएम को पत्र

सिंघार अनुसार, विधायक सोहन बाल्मीकि ने पहले ही बच्चे की मौत के बाद मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और जिला प्रशासन को पत्र लिखे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उमंग सिंघार ने कहा कि जब बच्चों की मौत हो रही थी, तब मुख्यमंत्री काजीरंगा नेशनल पार्क में थे। उन्होंने कहा, 72 घंटे के भीतर टेस्ट कराना अनिवार्य होता है, लेकिन सरकार ने एक महीने तक इंतजार किया। सिंघार ने डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, जब तक मामला राष्ट्रीय सुर्खियों में नहीं आया, तब तक वे कहते रहे कि कफ सिरप से कोई मौत नहीं हुई। क्या कारण था कि वे तमिलनाडु की कंपनी को क्लीन चिट दे रहे थे?

संवेदनहीनता का स्पष्ट उदाहरण : सचिन पायलट

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि एसएमएस अस्पताल में हुई घटना सरकार की कार्यशैली और उसकी संवेदनहीनता का स्पष्ट उदाहरण है। यह सरकार पूरी तरह प्रशासनिक विफलता का शिकार है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के पौने दो साल पूरे होने को हैं लेकिन इस दौरान जनता का भरोसा पूरी तरह टूट चुका है। मुख्यमंत्री और मंत्रियों के बीच खिंचाव, टकराव और समन्वय की कमी साफ नजर आती है। अफसरशाही सरकार पर हावी है, जिससे जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा। कैबिनेट विस्तार तक नहीं हो पा रहा है, जो इस सरकार की कमजोरी को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार की बात करने वाले आज खुद जनता को डबल निराशा दे रहे हैं। पायलट ने कहा कि प्रदेश के हालात इतने बिगड़ गए हैं कि जनता खुद को ठगा महसूस कर रही है। विकास ठप है, भ्रष्टाचार चरम पर है और कानून-व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। यह सरकार चुनाव टालने का प्रयास इसलिए कर रही है, क्योंकि उसे जनता के गुस्से का डर है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।